विवरण

संघ शासित प्रदेश का नाम	संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन किये गये केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अधिकारियों की तैनाती के स्थान
(1) दादरा एव नगर हवेली	1. मारोली
	2. सिलवासा
	3. डुडनी
	4. खानवाल
	5. किलवानी
(2) दिल्ली	1. दिल्ली
	2. नई दिल्ली
	3. नजफगढ
	4. उझावा
	5. चावला गाव
(3) अंडमान एव निकोबार द्वीप समूह	1. पोर्ट ब्लेयर
	2. कार-निकोबार
(4) गोवा, दमन एव दीव	1. गोवा, मेडीकल कालेज, पणजी
	2. पिलियम दरबद्रा गोवा
(5) लक्षद्वीप	1. अगाती द्वीप समूह
	2. अमीनी द्वीप समूह
	3. अन्दरोध द्वीप समूह
	4. चेटलाट द्वीप समूह
	5. कदमात द्वीप समूह
(6) पांडिचेरी	1. पांडिचेरी
	2. राम नाथ पुरम

राष्ट्रीय श्रम संस्थान के लिए बजट में नियतन

6153. **डा० रामजीलाल यादव** : क्या **संसदीय कार्य तथा श्रम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय श्रम संस्थान के चारों विगों के नाम क्या है ;

(ख) प्रत्येक विग के निदेशक अध्यक्ष इंचार्ज तथा अन्य अधिकारियों के नाम क्या है तथा इनमें से प्रत्येक अधिकारी की योग्यता, अनुभव और नियुक्ति की तिथियां क्या है, और

(ग) इस सस्थान के लिए 1977-78 के बजट में कितनी धनराशि नियत की गई तथा सस्थान के आज तक के कार्यों का समय ब्यौरा क्या है ?

संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री (श्री रवीन्द्र वर्मा) :

(क) (i) शिक्षा, प्रशिक्षण और दिशामान

(ii) अनुसधान (कार्य अनुसधान सहित) ,

(iii) परामर्श , और

(iv) अर्मासिणशन के ज्ञापन — पत्र के अनुसार प्रकाशन।

(ख) डीन इस सस्थान के प्रमुख कार्यपालक अधिकारी है। यह सस्थान एक यूनिट के रूप में काम करता है । इन विगों में से किसी विग के लिए कोई निदेशक अध्यक्ष नही है। तथापि, इस सस्थान में सीनियर फैलो, फैला, एसोसिएट फैला, आदि है।

इस सस्थान के सकाय सदस्यो के नाम, शैक्षिक योग्यताए, पिछला अनुभव और नियुक्ति की तारीख सबधी विवरण (विवरण I) सभा पटल पर रखा गया है। [ग्रन्थालय में रखा गया देखिए संख्या एल टी 940/77] ।

(ग) वर्ष 1977-78 के लिए नियत बजट 20.31 लाख रुपए है ।

किए गए कार्य के पूर्ण ब्यौरे का विवरण (विवरण II) सभा पटल पर रखा गया है । [ग्रन्थालय में रखा गया / देखिये संख्या एल. टी.-940/77]।

श्रमिकों को शिक्षित करने की योजना

6154. **श्री रीतलाल प्रसाद वर्मा :** क्या संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जापान के शिक्षित श्रमिकों द्वारा अपनी मांगों को पूरा करने के लिए अपनाये जाने वाले लाभकारी उपायों जसे अपने उत्पादन में वृद्धि, कार्य घंटों में बढ़ोतरी आदि को ध्यान में रखते हुए क्या सरकार का विचार श्रमिकों को उन के फालतू समय में शिक्षा देने तथा देश और उद्योग के हितों का खुद का ख्याल रखने की जिम्मेदारी सौंपने की कोई योजना तैयार करने का है; और

(ख) यदि हां, तो उसकी रूप-रेखा क्या है, और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री (श्री रवीन्द्र वर्मा): (क) और (ख). 1958 में प्रारम्भ की गई श्रमिक शिक्षा योजना, जिसमें समय-समय पर मूल्यांकन और संशोधन किया गया, संगठित श्रमिकों को लोकतांत्रिक समाज में अपना स्थान लेने और अपनी भूमिका निभाने के लिए तथा अपने सामाजिक एवं आर्थिक कार्यों तथा जिम्मेवारियों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिये लैस करती है । यह योजना केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रशासित की जाती है, जिसकी रिपोर्ट प्रति वर्ष संसद् के सम्मुख प्रस्तुत की जाती है । श्रमिक शिक्षा कार्यक्रम का उल्लेख श्रम मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में भी किया गया है, जिसको संसद् के सम्मुख रख दिया गया है ।

Medical education in Tamil Nadu

6155. SHRI V. S. ELANCHEZHIAN. Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the inadequacy of opportunities for medical education in Tamil Nadu, particularly in Trichy District;

(b) if so, whether it is proposed to start a medical college in Trichy to cater to the requirements of the students in the surrounding areas; and

(c) the particulars of the scheme, if any in this regard?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI RAJ NARAIN): (a) There are 9 Medical Colleges in the State of Tamil Nadu and as such enough opportunities exist for medical education in that State. No complaint has been received from State Government regarding Trichy District.

(b) There is no proposal in the Central Sector for opening of any new Medical College during the 5th Five Year Plan.

(c) Does not arise.

Shillong G.P.O.

6156. SHRI HOPINSTONE LYNGDOH: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether the Shillong G.P.O. Class I has been degraded to a simple N.S.G.P.O. only; and

(b) if so, the reasons therefor?